न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,नागौर

पीठासीन अधिकारी–पीयुष समारिया, आई.ए.एस.

प्रार्थना पत्र प्रकरण संख्या–133/2022
जी.सी.एम.एस. पोर्टल संख्या– 2022/159

प्रार्थी — बनाम — **अप्रार्थी**

ए.यू. स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड, 19–ए, झूलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर 302001 राजस्थान द्वारा प्राधिकृत अधिकारी धर्मेन्द्र गहलोत पुत्र श्री प्रेमराज गहलोत, ए.यू. स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड, 19–ए, झूलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर 302001

1–राजूराम पुत्र हुक्माराम, निवासी 3 कुमावतो का मौहल्ला, लखजी का बास, कुचामन सिटी तहसील कुचामन सिटी जिला नागौर, राजस्थान–341508
दूसरा पता–राजूराम, सम्पति ग्राम लखजी का बास, ग्राम पंचायत हिराणी तहसील कुचामन सिटी जिला नागौर।

2–हुक्माराम पुत्र भोलूराम, निवासी 3 कुमावतो का मौहल्ला, लखजी का बास, ग्राम दीपपुरा तहसील नावां जिला नागौर, राजस्थान–341508

3–श्रीमती गीतादेवी पत्नि हुक्माराम, निवासी 3 कुमावतो का मौहल्ला, लखजी का बास, ग्राम दीपपुरा तहसील नावां जिला नागौर, राजस्थान–341508

4–श्यामसुन्दर मोहनपुरिया पुत्र छगनलाल, 288, सीकर बस स्टेण्ड हरिया मार्ग, वार्ड नम्बर 16–17 तहसील नावां जिला नागौर, राजस्थान–341508

आदेश — **दिनांकः** 26-4-2022

प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत पेश हुआ।

प्रकरण में प्रार्थी की से प्रस्तुत उक्त प्रार्थना पत्र पर, वकील प्रार्थी को सुना गया। वकील प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों में यह कथन किया है कि प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थी/ऋणी को जरिये **रूपये 7,00,000/–(अक्षरे सात लाख रूपये मात्र) ऋण सुविधा दिनांक 08.12.2014 को** ऋण उपलब्ध करवाया गया। अप्रार्थीगण/ऋणी द्वारा उक्त प्राप्त ऋण की सुविधा के एवज में **सम्पति– जायगा जो ग्राम लखजी का बास, ग्राम पंचायत हिराणी कुचामनसिटी जिला नागौर राजस्थान में स्थित है। जो 2125 वर्गफुट जायगा व उसमें स्थित सम्पति जिसमे भूमि, भवन व ढांचा आदि सभी जो सम्पति के अभिन्न अंग हैं, जो राजूराम द्वारा धारित है। जिसके पडोस निम्न है:–उतर में–मांगीलाल की गुवाडी। दक्षिण में–आम रास्ता। पूर्व में–आम रास्ता। पश्चिम में–बिडदाराम का प्लोट है,** जो प्रार्थी बैंक के पास ऋण अदायगी हेतु ऋणी एंव जमानतदार ने आवश्यक दस्तावेज निष्पादित किये।

अप्रार्थीगण/ऋणी ने उपलब्ध ऋण का बैंक के नियमानुसार भुगतान नही चुकाया। जिसकी वजह से उक्त खाते को **दिनांक 30.04.2019** को एन.पी.ए. घोषित कर दिया गया व उक्त ऋण के संबंध मे अप्रार्थी/ऋणी में कुल **रूपये 2,19,554/–(अक्षरे दो लाख उन्नीस हजार पॉच सो चौपन रूपये मात्र) दिनांक 16.07.2019 तक शेष देय है एंव दिनांक 17.07.2019 से आगे का ब्याज व खर्चे सहित राशि का भुगतान** बकाया निकलते है।

उक्त ऋण खाते में ऋणी द्वारा नियमानुसार भुगतान नहीं करने पर एन.पी.ए. घोषित होने के बाद एक्ट की धारा 13 (2) का नोटिस **दिनांक 16.07.2019** प्रार्थी बैंक ने ऋणी/अप्रार्थी को रजिस्टर्ड नोटिस दिये गये, एवं नोटिस का अखबार प्रकाशन भी करवाया गया, परन्तु सूचना के पश्चात भी अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि जमा नहीं करवायी गई व न बंधक शुदा सम्पति सम्पूर्ण कब्जा प्रार्थी बैंक को दिया गया। ऋणी को उपरोक्त नोटिस के अनुसार 60 दिन के अन्दर–अन्दर ऋण राशि में **रूपये 2,19,554/–(अक्षरे दो लाख उन्नीस हजार पॉच सो चौपन रूपये मात्र) दिनांक 16.07.2019 तक शेष देय है एंव दिनांक 17.07.2019 से आगे का ब्याज व खर्चे सहित राशि का भुगतान** को जमा कराना था, परन्तु ऋणी/अप्रार्थीगण ने उपरोक्त नोटिस के अनुसार ऋण राशि जमा नहीं करवाई, के कारण एक्ट की धारा 13 (4) के अन्तर्गत कार्यवाही करना आवश्यक हो गया है।

एक्ट की धारा 14 (1) के अन्तर्गत प्रार्थी बैंक को बंधक सम्पति का ऋणी एवं जमानतियों से कब्जा लेने में सहायता आवश्यकता है, के कारण प्रार्थी बैंक ने जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष बैंक सिक्योरिटीज एवं सिक्योरिटीज से

Signature Not Verified
Digitally signed by Peeyush Samariya
Date: 2023.06.08 16:28:31 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट
नागौर

संबंधित डोक्यूमेन्ट का ऋणी/जमानती से कब्जा लेकर प्रार्थी बैक को कब्जा दिलवाने के लिये प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

बैक सिक्योरिटीज सम्पति का विवरण **सम्पति– जायगा जो ग्राम लखजी का बास, ग्राम पंचायत हिराणी कुचामनसिटी जिला नागौर राजस्थान में स्थित है। जो 2125 वर्गफुट जायगा व उसमें स्थित सम्पति जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सभी जो सम्पति के अभिन्न अंग हैं,** जो राजूराम द्वारा धारित है। जिसके पडोस निम्न **है:–उतर में–मांगीलाल की गुवाडी। दक्षिण में–आम रास्ता।** पूर्व में–आम रास्ता। पश्चिम में–बिडदाराम का प्लोट **है,** जो प्रार्थी बैक के पास हाईपोथीकेटेड है, का कब्जा लेना है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर प्रार्थना पत्र में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा संबंधित डौक्यूमेन्टस का कब्जा एक्ट की धारा 14 के अनुसार ऋणी/अप्रार्थीगण से प्रार्थी बैक को कब्जा दिलाने का आदेश जारी करने हेतु निवेदन किया है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि ऋणी/अप्रार्थीगण ने प्रार्थी बैक से **रूपये 7,00,000/–(अक्षरे सात लाख रूपये मात्र) ऋण सुविधा दिनांक 08.12.2014** को प्राप्त की थी। उक्त ऋण के बदले में इकरारनामा व उससे संबंधित दस्तावेज तैयार कर अपने हस्ताक्षर से प्रार्थी बैक के पक्ष में निष्पादित किये थे। प्रार्थी बैक द्वारा नियमानुसार ऋण वसूली के लिये आडिनेन्स की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस जारी करना पाया जाता है।

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में उपरोक्तानुसार रहन की गयी सम्पत्ति को प्रार्थी के कब्जे में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। जो इस प्रकार है:– प्रतिभूति आस्थी का कब्जा लेने में प्रतिभूति लेनदार की सहायता करने के लिये मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जहां किसी प्रतिभूति आस्तियों का कब्जा प्रतिभूत लेनदार द्वारा लिये जाने की आवश्यकता हो, या यदि किन्ही प्रतिभूत आस्तियों का विक्रय या अन्तरण प्रतिभूत लेनदार द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत किये जाने की आवश्यकता हो, तो प्रतिभूत लेनदार किसी प्रतिभूत आस्ति के कब्जे या नियंत्रण को लेने के प्रयोजन के लिये, लिखित में मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट को उनकी अधिकारिता के भीतर अनुरोध करेगा, ऐसी कोई प्रतिभूत आस्ति या उससे संबंधित अन्य दस्तावेज स्थित हो सकेगा या पाया जा सकेगा,उसका कब्जा लेने के लिये अनुरोध करेगा,और मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जो स्थित हो, उसको किये गये उस अनुरोध पर –(क)उस आस्ति और उससे संबंधित दस्तावेजों का कब्जा लेगा, और (ख) प्रतिभूत लेनदार को उन आस्तियों और दस्तावेजों को भेजेगा।

धारा 14 (2) उप धारा (1) के प्रावधानों के साथ अनुपालना को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिये, मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट उन कदमो को लेगा या लिवा सकेगा या ऐसा बल प्रयुक्त कर सकेगा जो उसकी राय मे आवश्यक हो सकेगा।

उपरोक्त प्रावधानो को दृष्टीगत रखते हुए इस संबंध मे पुलिस इमदाद उपलब्ध कराने हेतु आदेश पारित किया जाना हम उचित समझते हैं । अतः प्रार्थी का यह प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। पुलिस अधीक्षक नागौर को निर्देश दिये जाते है कि अप्रार्थी/ऋणी द्वारा प्रार्थी बैंक के पक्ष मे बतौर प्रतिभूति अपने स्वामित्व मे **सम्पति– जायगा जो ग्राम लखजी का बास, ग्राम पंचायत हिराणी कुचामनसिटी जिला नागौर राजस्थान में स्थित है। जो 2125 वर्गफुट जायगा व उसमें स्थित सम्पति जिसमे भूमि, भवन व ढांचा आदि सभी जो सम्पति के अभिन्न अंग हैं, जो राजूराम द्वारा धारित है। जिसके पडोस निम्न है:–उतर में–मांगीलाल की गुवाडी। दक्षिण में–आम रास्ता। पूर्व में–आम रास्ता। पश्चिम में–बिडदाराम का प्लोट है,** जो प्रार्थी बैंक के पास हाईपोथीकेटेड है, को प्रार्थी बैक के हक मे बंधक किया था तथा बंधक विलेख निष्पादित किया था, के संबंध मे संबधित थानाधिकारी, पुलिस थाना को निर्देशित करे कि वे उक्त संपति का कब्जा व उससे संबंधित अन्य कोई दस्तावेज अप्रार्थी के कब्जे मे हो तो उन दस्तावेजो को प्रार्थी को संभलाने हेतु मौके पर जाकर विधि सम्मत कार्यवाही करें।

आदेश सुनाया गया।

(पीयुष समारिया)
जिला कलक्टर एवं मजिस्ट्रेट,नागौर
जिला मजिस्ट्रेट
नागौर

Signature Not Verified
Digitally signed by Peeyush Samariya
Date: 2023.06.08 15:28:31 IST
Reason: SelfAttested